Sixteenth Loksabha

an>

Title: Regarding the construction of coach factory in Palakkad.

श्री एम. बी. राजेश (पालक्काड) : अध्यक्ष महोदया, धन्यवाद। आज मैं राष्ट्रभाषा में बोलना चाहता हूं, इसलिए मुझे आप एक मिनट का बोनस प्रदान करिए। पालक्काड कोच फैक्टरी मेरे क्षेत्र का विषय है। मैंने इस सदन इस विषय को 23 बार उठाया है। पालक्काड कोच फैक्टरी की घोषणा 2008 के रेल बजट में हुई थी। 2012 में उसके लिए जमीन का अधिग्रहण करने के बाद फैक्टरी का शिलान्यास भी किया गया, लेकिन पिछले छः सालों में शिलान्यास के अलावा कुछ नहीं हुआ है। आज पालक्काड में हजारों लोग एक बड़ी ह्यूमन चैन का आयोजन करकर, उसमें कोच फैक्टरी के लिए मांग कर रहे हैं। इसलिए मैंने आज के दिन पुनः इस विषय को उठा रहा हूं।

माननीय अध्यक्ष: डॉ. ए. सम्पत, एडवोकेट जोएस जॉर्ज, श्री इन्नोसेन्ट और श्री पी. के. बिजू को श्री एम. बी. राजेश द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है। आप अच्छा बोल रहे हैं।

*m06

श्री एम. बी. राजेश : पिछले छः वर्षों में रेलवे ने कुछ नहीं किया और दो महीने पहले मुझे माननीय रेल मंत्री जी का एक पत्र प्राप्त हुआ कि भारतीय रेल को नए कोचों की जरूरत नहीं है इसलिए कोच फैक्टरी प्रोजेक्ट्र की शुरूआत अभी नहीं की जा सकती है। यह केवल पालक्काड की ही नहीं बल्कि पूरे केरल की 36 साल पुरानी मांग है कि सन् 1982 में पालक्काड कोच फैक्टरी का वादा किया गया था लेकिन

36 साल बाद भी कुछ नहीं किया गया। जब यू.पी.ए. की सरकार थी तो उन्होंने हमको 10 साल तक इससे वंचित रखा था और अभी ए.डी.ए. की सरकार भी वही काम कर रही है। मैं इस पर अपना आक्रोश प्रकट करता हूं। अतः आपके माध्यम से मेरी केन्द्र सरकार और रेल मंत्री जी से मांग है कि पालक्काड कोच फैक्टरी को बनाने का वादा जल्दी से जल्दी पूरा किया जाए।